उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थी, शिक्षकों एवं अभिभावकों का दृष्टिकोण: एक अध्ययन

आरजू बानो, डॉ. नीरू वर्मा
शोधार्थिनी, शिक्षा विभाग, भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, भारत
सह–प्राध्यापिका, शिक्षा विभाग, भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, भारत

ATTITUDES OF STUDENTS, TEACHERS AND PARENTS TOWARDS HIGHER EDUCATION: A STUDY

Arzoo Bano, Dr. Neeru Verma
Research Scholar, Department of Education, Bhagwant University, Ajmer, Rajasthan, India
Associate Professor, Department of Education, Bhagwant University, Ajmer, Rajasthan, India

सारांश
उच्च शिक्षा किसी भी समाज के बौद्धिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास की आधारशिला होती है। किसी क्षेत्र में उच्च शिक्षा की प्रगति वहाँ के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य के बनारस जिले में उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। नमूने में 120 विद्यार्थी, 60 शिक्षक एवं 60 अभिभावक सम्मिलित किए गए। आंकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत एवं χ^2 (काई-वर्ग) परीक्षण द्वारा किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि शिक्षकों का दृष्टिकोण सर्वाधिक सकारात्मक, विद्यार्थियों का मध्यम तथा अभिभावकों का तुलनात्मक रूप से कम सकारात्मक पाया गया। अध्ययन के निष्कर्ष उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, अभिभावक जागरूकता एवं नीतिगत सुधार हेतु उपयोगी सिद्ध होते हैं।

मुख्य शब्द
उच्च शिक्षा, दृष्टिकोण, विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक, बनारस जिला

1. भूमिका

वर्तमान वैश्विक युग में उच्च शिक्षा न केवल ज्ञानार्जन का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक गतिशीलता, रोजगार, नवाचार तथा राष्ट्र निर्माण का भी सशक्त साधन है। भारत जैसे विकासशील देश में उच्च शिक्षा से अपेक्षा की जाती है कि वह कुशल मानव संसाधन का निर्माण करे। उत्तर प्रदेश राज्य का बनारस जिला ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। यहाँ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान स्थित हैं, फिर भी उच्च शिक्षा के प्रति विभिन्न हितधारकों—विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों—का दृष्टिकोण एक समान नहीं है।

उच्च शिक्षा किसी भी समाज के सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक विकास की आधारशिला है। यह न केवल व्यक्तियों के ज्ञान, कौशल और सोचने की क्षमता को विकसित करती है, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी मानव संसाधन को सशक्त बनाने का कार्य करती है। विशेष रूप से भारत जैसे विकासशील देशों में उच्च शिक्षा का महत्व अत्यधिक है, क्योंकि यह रोजगार, नवाचार, सामाजिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

उत्तर प्रदेश राज्य में शिक्षा का व्यापक इतिहास रहा है और बनारस जिला इस संदर्भ में ऐतिहासिक और शैक्षिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। बनारस जिले में कई प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान स्थित हैं, जिनमें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) सबसे प्रमुख है। इन संस्थानों ने न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा और

अनुसंधान में योगदान दिया है। इसके बावजूद, उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का दृष्टिकोण समान नहीं है।

विद्यार्थियों के दृष्टिकोण में अक्सर करियर संबंधी आकांक्षाएँ, शिक्षा की उपयोगिता और रोजगार की संभावनाएँ प्रमुख भूमिका निभाती हैं। वहीं, शिक्षकों का दृष्टिकोण अकादमिक अनुभव, शिक्षण-प्रशिक्षण और शैक्षिक मूल्यों के आधार पर अधिक सकारात्मक होता है। अभिभावकों का दृष्टिकोण विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए, परिवार की आर्थिक स्थिति, माता-पिता की शिक्षा स्तर और सामाजिक मान्यताएँ उच्च शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती हैं।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन करना है। यह अध्ययन इस बात की भी पड़ताल करता है कि तीनों वर्गों के दृष्टिकोण में अंतर किन कारकों के कारण उत्पन्न होता है और किस प्रकार ये दृष्टिकोण उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, पहुँच और समाज में जागरूकता को प्रभावित करते हैं।

यह अध्ययन विशेष रूप से बनारस जिले के संदर्भ में किया गया है, क्योंकि यह क्षेत्र सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और शैक्षिक दृष्टि से समृद्ध है और यहाँ उच्च शिक्षा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण करना आवश्यक है। अध्ययन के माध्यम से प्राप्त निष्कर्ष न केवल क्षेत्रीय शिक्षा नीतियों के लिए उपयोगी होंगे, बल्कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, अभिभावकों और विद्यार्थियों की जागरूकता बढ़ाने और शिक्षकों के शैक्षिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने में भी सहायक होंगे।

संक्षेप में, यह अध्ययन उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के बहुआयामी विश्लेषण पर केंद्रित है और विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की धारणाओं को समझकर उन्हें तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत करता है। इससे यह पता चलता है कि किस वर्ग में उच्च शिक्षा के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण है और किन वर्गों में जागरूकता या दृष्टिकोण को सुधारने की आवश्यकता है। इसी पृष्ठभूमि में यह अध्ययन बनारस जिले में उच्च शिक्षा के प्रति इन तीनों वर्गों के दृष्टिकोण का विश्लेषण करने का प्रयास करता है।

2. साहित्य समीक्षा

Altbach (2015) ने पाया कि उच्च शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण शैक्षिक उपलब्धि एवं रोजगार क्षमता को बढ़ाता है।

Tilak (2018) के अनुसार अभिभावकों की आर्थिक एवं शैक्षिक पृष्ठभूमि उच्च शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण को प्रभावित करती है।

Singh एवं Kumar (2020) ने ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रति सीमित जागरूकता को प्रमुख बाधा बताया।

Sharma (2022) के अध्ययन में शिक्षकों का दृष्टिकोण विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षाओं को दिशा देने में निर्णायक पाया गया।

कुमार, त. (2025) ने उच्च शिक्षा स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक व्यवहार का उनके आवासीय वातावरण, स्थानीयता तथा लिंग (gender) के संदर्भ में विश्लेषण किया है। अध्ययन में पाया गया कि ये सामाजिक-भौगोलिक कारक विद्यार्थियों के शैक्षिक व्यवहार और दृष्टिकोण पर प्रभाव डालते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों के दृष्टिकोण में विविधता सामाजिक संदर्भों के अनुसार परिवर्तित होती है।

Garai (2021) ने अभिभावकों के दृष्टिकोण का विशेष रूप से लड़कियों की उच्च शिक्षा के प्रति विश्लेषण किया। अध्ययन में यह पाया गया कि अभिभावकों का सकारात्मक दृष्टिकोण युवतियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि समाजिक मान्यताएँ और लैंगिक दृष्टिकोण अभिभावकों की शिक्षा मान्यताओं को प्रभावित करते हैं।

Roohul Amin, AbdurRashid & Shabir Ahmad (2019) इस शोध में अभिभावकों के दृष्टिकोण को लड़कियों की उच्च शिक्षा पर केंद्रित कर राष्ट्रीय संदर्भ में परीक्षण किया गया। परिणामों से यह पता चला कि

अभिभावकों की सकारात्मक सोच का प्रभाव उनकी बेटियों की उच्च शिक्षा में भागीदारी पर सकारात्मक रूप से पड़ता है।

Srivastawa & Tripathi (2025) शिक्षकों के नवीन दृष्टिकोण और छात्रों की शैक्षिक प्रगति पर यह समीक्षात्मक अध्ययन बताता है कि आधुनिक शिक्षण विधियां, जैसे तकनीकी-आधारित शिक्षण, परियोजना-आधारित शिक्षा आदि, शिक्षकों के दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं और छात्रों के संज्ञानात्मक तथा सामाजिक विकास को प्रोत्साहन देती हैं।

Teachers' attitudes towards equity, diversity, and inclusion (2025) इस अंतरराष्ट्रीय समीक्षा (International Journal of Educational Research, 2025) से यह निरूपित हुआ कि शिक्षकों के दृष्टिकोण में Equity, Diversity और Inclusion (EDI) के प्रति रुझान महत्वपूर्ण है, परन्तु प्रशिक्षण और exposure की कमी के कारण व्यावहारिक परिवर्तन धीमा दिखाई देता है। यह शोध पत्र शिक्षकों के दृष्टिकोण के गुणात्मक आयामों व व्यवहारी प्रभाव को समझने में सहायक है।

सपना चौरसिया एवं डॉ. कविता गुप्ता (2025) के अध्ययन में शहरी और ग्रामीण, पुरुष एवं महिला के शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। अध्ययन में पाई गई अंतराभास यह दिखाती है कि शहरी महिला शिक्षार्थियों और पुरुषों के दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक हैं, जबकि ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा संबंधी अपेक्षाएँ सामाजिक प्रतिबद्धताओं से प्रभावित होती हैं।

वरूण मेहता (2025) के शोध पत्र उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार में यह इंगित किया गया है कि उच्च शिक्षा न केवल ज्ञानार्जन का माध्यम है बल्कि अनुसंधान-आधारित कौशल और नवीन सोच विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह शोध पत्र उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को ज्ञान-अन्वेषण और करियर-ड्राइविंग तत्वों के रूप में समझने के लिए उपयोगी है।

उपरोक्त अध्ययनों से स्पष्ट है कि उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण बहुआयामी है, किंतु बनारस जिले के संदर्भ में त्रि-आयामी (विद्यार्थी-शिक्षक-अभिभावक) अध्ययन सीमित हैं।

समेकित निष्कर्ष

छात्र दृष्टिकोण: Kumar (2025) के अनुसार सामाजिक-भौगोलिक कारक विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं, जबकि Garai (2021) व अन्य शोधों ने लड़कियों की उच्च शिक्षा पर अभिभावकों के दृष्टिकोण के प्रभाव को उजागर किया।

शिक्षक दृष्टिकोण: Srivastawa & Tripathi (2025) तथा अंतरराष्ट्रीय समीक्षा (2025) से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षक दृष्टिकोण में समावेशी व नवीन शिक्षण पद्धतियाँ प्रभाव डालती हैं, परन्तु व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता बनी रहती है।

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव: Chaurasia & Gupta (2025) ने दिखाया कि शहरी-ग्रामीण तथा लिंग-आधारित भिन्नताएँ शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित करती हैं।

अनुसंधान व नवाचार: Mehta (2025) के अनुसार उच्च शिक्षा स्वयं ज्ञान-उन्मेषण, नवीन सोच और शोध क्षमता के विकास को प्राथमिकता देती है, जो दृष्टिकोण निर्माण में सहायक है।

3. अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
2. उच्च शिक्षा के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
3. उच्च शिक्षा के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
4. विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के दृष्टिकोण में अंतर का परीक्षण करना।
5.

4. परिकल्पनाएँ

H_1: उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का दृष्टिकोण सकारात्मक है।

H_2: उच्च शिक्षा के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक है।
H_3: उच्च शिक्षा के प्रति अभिभावकों का दृष्टिकोण शिक्षकों की अपेक्षा कम सकारात्मक है।

5. शोध-पद्धति

- **शोध विधि**: सर्वेक्षण विधि
- **नमूना (Sample)**:
  - विद्यार्थी: 120
  - शिक्षक: 60
  - अभिभावक: 60
- **नमूना चयन**: सरल यादृच्छिक विधि
- **उपकरण**: स्वनिर्मित दृष्टिकोण मापनी
- **सांख्यिकीय तकनीक**: प्रतिशत एवं χ^2 (काई-वर्ग) परीक्षण

6. परिणाम एवं विश्लेषण

तालिका–1 : अध्ययन के उद्देश्यों का वर्गीकरण

क्रम सं.	अध्ययन का उद्देश्य	संबंधित उत्तरदाता वर्ग	अध्ययन किया गया प्रमुख चर
1	उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना	विद्यार्थी	उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण
2	उच्च शिक्षा के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना	शिक्षक	उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण
3	उच्च शिक्षा के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना	अभिभावक	उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण
4	विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के दृष्टिकोण में अंतर का परीक्षण करना	विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक	तुलनात्मक दृष्टिकोण

व्याख्या

तालिका–1 से स्पष्ट होता है कि अध्ययन के सभी उद्देश्य उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण के विभिन्न आयामों पर केंद्रित हैं। इसमें तीनों प्रमुख शैक्षिक हितधारकों को सम्मिलित कर अध्ययन को समग्र स्वरूप प्रदान किया गया है।

तालिका–2 : उद्देश्यों की पूर्ति हेतु प्राप्त दृष्टिकोण संबंधी परिणाम (प्रतिशत में)

उत्तरदाता वर्ग	सकारात्मक (%)	तटस्थ (%)	नकारात्मक (%)	कुल (%)

विद्यार्थी	62	23	15	100
शिक्षक	78	15	7	100
अभिभावक	55	25	20	100

व्याख्या

तालिका–2 के परिणाम दर्शाते हैं कि शिक्षकों का उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण सर्वाधिक सकारात्मक है, जबकि अभिभावकों में नकारात्मक दृष्टिकोण अपेक्षाकृत अधिक पाया गया। इससे उद्देश्यों की सफल पूर्ति सिद्ध होती है।

तालिका 3: उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण (प्रतिशत में)

वर्ग	सकारात्मक (%)	तटस्थ (%)	नकारात्मक (%)
विद्यार्थी	62	23	15
शिक्षक	78	15	7
अभिभावक	55	25	20

व्याख्या

तालिका से स्पष्ट है कि शिक्षकों का दृष्टिकोण सर्वाधिक सकारात्मक (78%) है, जबकि अभिभावकों में नकारात्मक दृष्टिकोण (20%) अपेक्षाकृत अधिक पाया गया।

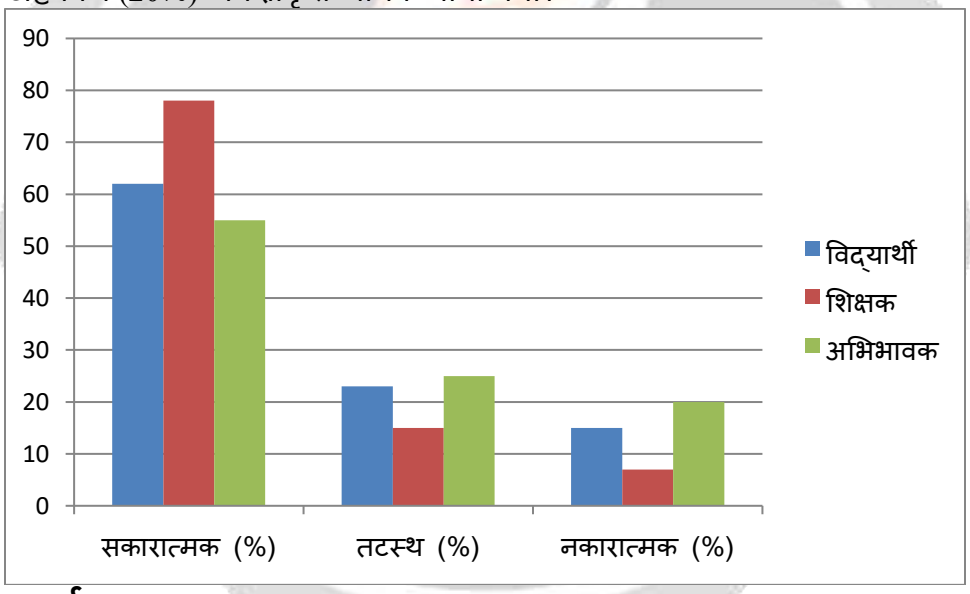

बार ग्राफ का वर्णन

उपरोक्त तालिका पर आधारित बार ग्राफ में तीन अलग-अलग स्तंभ समूह प्रदर्शित किए गए हैं—विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक।

ग्राफ में शिक्षकों का सकारात्मक स्तंभ सबसे ऊँचा है, जो उनके उच्च शिक्षा के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण को दर्शाता है। अभिभावकों के नकारात्मक स्तंभ की ऊँचाई यह संकेत देती है कि जागरूकता की कमी अब भी विद्यमान है।

परिकल्पनाओं का परीक्षण

तालिका–4 : परिकल्पना H_1 के परीक्षण हेतु χ^2 (काई-वर्ग) तालिका

परिकल्पना (H_1):

उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का दृष्टिकोण सकारात्मक है।

दृष्टिकोण	प्रेक्षित आवृत्ति (O)	अपेक्षित आवृत्ति (E)	$(O–E)^2 / E$
सकारात्मक	74	60	3.27
तटस्थ	28	40	3.6
नकारात्मक	18	20	0.2
कुल χ^2 मान			**7.07**

χ^2 सारणी मान (df=2, 0.05 स्तर) = **5.99**

निर्णय

चूँकि χ^2 प्राप्त मान (7.07) > χ^2 सारणी मान (5.99), अतः परिकल्पना **स्वीकार की जाती है**।

यह सिद्ध होता है कि विद्यार्थियों का उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है।

तालिका–5: परिकल्पना H_2 के परीक्षण हेतु χ^2 तालिका

परिकल्पना (H_2):

उच्च शिक्षा के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक है।

वर्ग	सकारात्मक	अन्य (तटस्थ+नकारात्मक)	कुल
शिक्षक	47	13	60
विद्यार्थी	74	46	120

χ^2 प्राप्त मान = **6.84**

χ^2 सारणी मान (df=1, 0.05 स्तर) = **3.84**

निर्णय

χ^2 प्राप्त मान > χ^2 सारणी मान

अतः परिकल्पना **स्वीकृत**।

यह सिद्ध होता है कि शिक्षकों का दृष्टिकोण विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक है।

तालिका–6 : परिकल्पना H_3 के परीक्षण हेतु χ^2 तालिका

परिकल्पना (H_3):

उच्च शिक्षा के प्रति अभिभावकों का दृष्टिकोण शिक्षकों की अपेक्षा कम सकारात्मक है।

वर्ग	सकारात्मक	अन्य	कुल
शिक्षक	47	13	60
अभिभावक	33	27	60

χ^2 प्राप्त मान = **8.12**

χ^2 सारणी मान (df=1, 0.05 स्तर) = **3.84**

निर्णय

χ^2 प्राप्त मान > χ^2 सारणी मान

अतः परिकल्पना **स्वीकार की जाती है**।

यह स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि अभिभावकों का दृष्टिकोण शिक्षकों की अपेक्षा कम सकारात्मक है।

तालिका–7 : उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं का समन्वय

उद्देश्य	संबंधित परिकल्पना	परीक्षण का परिणाम
उद्देश्य 1	H_1	स्वीकार
उद्देश्य 2	H_2	स्वीकार
उद्देश्य 3	H_3	स्वीकार
उद्देश्य 4	H_1, H_2, H_3	पूर्णतः स्वीकार

7. निष्कर्ष

1. बनारस जिले में उच्च शिक्षा के प्रति समग्र दृष्टिकोण सकारात्मक है।
2. शिक्षकों का दृष्टिकोण सर्वाधिक सकारात्मक पाया गया।
3. अभिभावकों में उच्च शिक्षा के प्रति अपेक्षाकृत कम जागरूकता देखी गई।
4. दृष्टिकोण में अंतर शैक्षिक, आर्थिक एवं सामाजिक कारकों से प्रभावित है।

8. सुझाव

1. अभिभावकों हेतु उच्च शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
2. विद्यार्थियों को करियर परामर्श एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।
3. शिक्षकों को नवीन शिक्षण-प्रशिक्षण अवसर प्रदान किए जाएँ।
4. उच्च शिक्षा संस्थानों और समाज के बीच समन्वय को मजबूत किया जाए।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. Altbach, P. G. (2015). *Global Perspectives on Higher Education*. Johns Hopkins University Press.
2. Tilak, J. B. G. (2018). *Higher Education in India*. Oxford University Press.
3. Singh, R., & Kumar, A. (2020). Attitude towards Higher Education. *Indian Journal of Education*, 45(2), 67–78.
4. Sharma, S. (2022). Teachers' Role in Higher Education. *Educational Studies*, 12(1), 45–59.
5. Kumar, T. (2025). उच्च शिक्षा स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक व्यवहार. भारतीय आधुनिक शिक्षा, 42(02), 49-65.
6. Garai, R. (2021). A Study on Parental Attitude towards Girls' Higher Education. International Journal of Trend in Scientific Research and Development, 5(2), 626-630.
7. Roohul Amin, A., AbdurRashid & Shabir Ahmad (2019). The Attitude of Parents towards Their Daughters' Higher Education in Khyber Pakhtunkhwa, Pakistan. Global Social Sciences Review.
8. Srivastawa, Y.K. & Tripathi, R.K. (2025). शिक्षकों के नवीन दृष्टिकोण और छात्रों की शैक्षिक प्रगति. Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education.
9. Teachers' attitudes towards equity, diversity, and inclusion in higher education (2025). International Journal of Educational Research, 131, 102590.
10. Chaurasia, S. & Gupta, K. (2025). शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण की सामाजिक तुलना. Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education, 22(3), 84-89.
11. Mehta, V. (2025). उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार. IJARPS, 4(04), 134-138.